भारत सरकार

भारी उद्योग और लोक उद्यम मंत्रालय

भारी उद्योग विभाग

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न सं. 1798

गुरूवार, 07 मार्च, 2013

बीएचईएल द्वारा बॉयलरों का उत्पादन

1798. श्री रेवती रमन सिंह:

क्या भारी उद्योग और लोक उद्यम मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या बीएचईएल द्वारा देश में बॉयलरों का उत्पादन किया जा रहा है;

(ख) यदि हां, तो क्या बॉयलरों का उत्पादन वांछित गति से नहीं हो पा रहा है;

(ग) यदि हां, तो क्या उक्त परिस्थितियों के कारण चीन से बॉयलरों का आयात किया जा रहा है ;

(घ) यदि हां, तो क्या भविष्य में बॉयलरों के उत्पादन में देश को आत्मनिर्भर बनाने के लिए सरकार की कोई योजना है; और

(ड.) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है ?

उत्तर

भारी उद्योग और लोक उद्यम मंत्री

(श्री प्रफुल पटेल)

(क) : जी, नहीं, यद्यपि भेल देश में बॉयलरों का अग्रणी आपूर्तिकर्ता है, तथापि अन्य घरेलू विनिर्माता भी मौजूदा हैं ।

(ख): जी नहीं, उत्पादन आवश्यकता के अनुरूप है। देश में बॉयलरों की आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए भेल ने पर्याप्त विनिर्माण क्षमता और योग्यता हासिल कर ली है ।

(ग): देश की घरेलू विनिर्माण क्षमता काफी अधिक है । तथापि, कुछ निजी कंपनियों ने परियोजना संबंधी सस्ते वित्त पोषण के विकल्पों आदि जैसे कई अन्य कारणों से बॉयलरों को चीन से मंगाया है ।

(घ) और (ड.): बॉयलरों के उत्पादन में हमारा देश पहले से ही स्वावलंबी है। भेल ने विगत वर्षों के दौरान भारतीय परिस्थितियों के अनुकूल स्वदेशी रूप से समाहित, अनुकूल और विकसित प्रौद्योगिकी से युक्त बॉयलरों की इंजीनियरी, उनके विनिर्माण और आपूर्ति की क्षमता हासिल कर ली है ।

*****